

ਮुङ्गू ने मालदीव की
अर्थव्यवस्था मजबूत
करने में मदद के लिए
भारत का आभार जताया



सोमवार

29 जुलाई 2024, श्रावण कृष्ण पक्ष, नवमी, विक्रम सम्वत् 2081, धनबाद

नगर संकारण, वर्ष 14, अंक 177, 16 पेज, गूल्हा 5.00

• पांच प्रदेश • 21 संकारण

बेटीपर गर्व: ओलंपिक में 10 मीटर एयरपिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता महिला निशानेबाजी में मनु लाई देश का पहला पदक

शेषारात (फ्रांस), एजेंसी। मनु भाकर रविवार को ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गई। हिंदियाणा के झज्जर की रहने वाली 22 वर्षीय मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयरपिस्टल के फाइनल में कांस्य पदक पर निशाने के साथ भारत के पदक का खाता भी खोल दिया।

लगातार दूसरी बार ओलंपिक में चुनौती पेश कर रही मनु आठ निशानेबाजों के फाइनल में 221.7 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। मात्रूम हो कि टोक्यो ओलंपिक में भी भारत ने दूसरे ही पदकों का खाता खोला था। तब भारतीयों ने मीराबाई ने रजत के साथ शुश्रूआत की थी।

मनु ने इस पदक के साथ ओलंपिक में निशानेबाजी में 12 साल का पदक का सूखा खाल किया। भारतीय पुरुष निशानेबाजों ने इससे पहले 2012 लंदन ओलंपिक में दो पदक जीते थे। विजय कुमार ने रजत और गगन नारंग ने कांस्य जीता था। रियो और टोक्यो से निशानेबाज खाली हाथ लौटे थे। मनु का टोक्यो ओलंपिक में इसी स्पर्धा के विवादोंपरिकेशन के दौरान पिस्टल में खाली के कारण अंसुओं के साथ अधिकान समाप्त हुआ था। आज पदक के बाद उनके छहरे पर मुस्कान थी।

ओह ने स्वर्ण अपने नाम किया : भारतीय निशानेबाज जब बाहर हुए तो दक्षिणी प्रशंसा की जैजी किम से स्पॉफ 0.1 अंक पाई थी, जिहाने अंततः 241.3 अंक के साथ रजत पदक जीता। किम की हम वरन थे जिन ओह ने 243.2 अंक से फाइनल के ओलंपिक रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

रमिता और अर्जुन से आज उम्मीदः रमिता निशानेबाजों और अर्जुन बबूता ने पुरुषों की 10 मीटर एयरपिस्टल के फाइनल में जगह बाकर पदक की उम्मीद जगाई है। रमिता बवालीफिकेशन में 631.5 अंकों के साथ पांचवें स्थान, जबकि अर्जुन बबूता 130 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे।

पीयूष सिंधु का जीते से आगाजः दो बार की ओलंपिक पदक विजेता शटलर पीयूष सिंधु ने मालदीव की फायदातारी अद्युत रज्जाक के 21-9, 21-6 से हरा दूसरे दौर में जगह बनाई।

देखें P13,14



पेरिस ओलंपिक में रविवार को दस मीटर निशानेबाजी में कांस्य पदक जीतने के बाद खुशी जताती मनु भाकर। • एजेंसी

221.7 अंक
हासिल
कर मुकाबले में तीसरे
स्थान पर रही मनु
मनु ने मान बढ़ाया

1. ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गई मनु भाकर
2. टोक्यो ओलंपिक में पिस्टल में खाली आने के कारण अप्रदर्शन नहीं कर पाई थीं मनु

66 टोक्यो के बाद मैं बहुत उबरने में बहुत लंबा समय लगा। मैं यह नहीं बता सकती कि आज मैं कितना अच्छा महसूस कर रही हूं। मैं पूरी ऊर्जा के साथ लड़ रही थी। मैंने गति पढ़ा है। हमेशा वही करने की कोशिश की, जो मुझे करना चाहिए, बाकी सब भगवान पर छोड़ दिया। - मनु भाकर, निशानेबाजी

66 पेरिस ओलंपिक में देश के लिए पहला पदक जीतने के लिए मनु को बधाई। यह इसलिए और भी खास है, क्योंकि वह निशानेबाजी में भारत के लिए पदक जीतने वाली पहली महिला बन गई हैं। - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

तीरंदाज़ी: वर्कार्टरफाइनल में हारा भारत, दीपिका-अंकिता ने किया निराश

शेषारात (फ्रांस), एजेंसी। भारतीय महिला तीरंदाजी टीम अपनी रिकिंग से आठ स्थान नीचे की नीदरलैंड्स से वर्कार्टरफाइनल में हारकर पेरिस ओलंपिक में भारतीय महिला निशानेबाज बन गई मनु भाकर

टीम की हार का कारण बना। भजन कोर अंकेली पढ़ गई। वरीयता में 12वें नंबर की नीदरलैंड्स ने तीव्री वरीयता प्राप्त भारत को 6-0 के बड़े अंतर से हारकर टीम ईंटरें से बाहर कर दिया। भजन कोर ने तीन बार पूरे 10, दो बार 9 तक एक बार आठ का स्कोर किया। वही पहले सेट में भजन के 10 बार सकारा ने तीन बार आठ का स्कोर किया। वही पहले सेट में भजन के 10 बार सकारा ने तीन बार आठ का स्कोर किया।

टीम की हार का कारण बना। भजन कोर अंकेली पढ़ गई। वरीयता में 12वें नंबर की नीदरलैंड्स ने तीव्री वरीयता प्राप्त भारत को 6-0 के बड़े अंतर से हारकर टीम ईंटरें से बाहर कर दिया। भजन कोर ने तीन बार पूरे 10, दो बार 9 तक एक बार आठ का स्कोर किया। वही पहले सेट में भजन के 10 बार सकारा ने तीन बार आठ का स्कोर किया। वही पहले सेट में भजन के 10 बार सकारा ने तीन बार आठ का स्कोर किया।

करेगा। वही सत्ता पक्ष जबवार देने के लिए कमर कस चुका है। सोमवार को प्रश्नकाल के दौरान मार्टिमंडल निगरानी, मार्टिमंडल निवाचन, कार्मिक विभाग, गृह कारा, विभाग, योजना एवं विकास विभाग और विण्णन जर से जुड़े सवाल निर्धारित हैं। शून्यकाल रज्जाक के 21-9, 21-6 से हरा दूसरे दौर में जगह बनाई।

हालांकि, पांचवीं विधानसभा का सामने होने परिषक समन के आखिरी सत्र में भारतीय महिला निशानेबाज बन गई मनु भाकर

देखें P13,14

चालू वित्त वर्ष का पहला अनुपूरक बजट आज

मानसून सप्त

झारखंड में पोटाश खदान की नीलामी केंद्र ने की रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने तीसरे चरण के तहत तीन महत्वपूर्ण खानज ब्लॉक की नीलामी रद्द कर दी है। इनमें झारखंड के मरकानिया-गोरियाटोरा-योराटोरा ब्लॉक भी शामिल है। बोलीकर्ताओं की संख्यानिर्धारित से कम होने की वजह से सरकार ने नीलामी रद्द की है।

यह नीलामी स्वच्छ विकास और खनिनों के मामले में आवानिर्धारिता से सरकार ने लिए करने का जगह ही है। जिन तीन ब्लॉकों की नीलामी रद्द की गई है, उनमें जम्पू-कश्मीर में सलाल-हैमना लिथियम, टाइटेनियम,

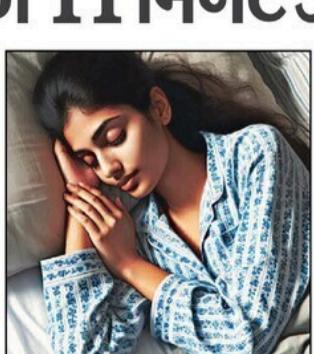
करेगा। वही सत्ता पक्ष जबवार देने के लिए कमर कस चुका है। सोमवार को प्रश्नकाल के दौरान मार्टिमंडल निगरानी, मार्टिमंडल निवाचन, कार्मिक विभाग, गृह कारा, विभाग, योजना एवं विकास विभाग और विण्णन जर से जुड़े सवाल निर्धारित हैं। शून्यकाल रज्जाक के 21-9, 21-6 से हरा दूसरे दौर में जगह बनाई।

हालांकि, पांचवीं विधानसभा का सामने होने परिषक समन के आखिरी सत्र में भारतीय महिला निशानेबाज बन गई मनु भाकर

देखें P13,14

कुछ अलग | लंदन के नेशनल स्लीप फाउंडेशन के वैज्ञानिकों ने किया अध्ययन, नींद की गुणवत्ता पुरुषों से कम

महिलाओंको 11 मिनट अधिक नींद की जरूरत



40 प्रतिशत अधिक अनिद्रा से पीड़ित होने की समावना होती है महिलाओं में

■ हार्मोन में बदलाव, परिवार की जिम्मेदारियां हैं कारण

■ पूरी नींद न मिलने पर दिन में झापकी की समावना

में महिलाओं में अनिद्रा से पीड़ित होने की संभावना 40% अधिक होती है।

दिन में लेती है झापकी: डॉ. एनीन अलेक्जेंडर ने बताया, हार्मोन में

विशेषज्ञों ने बताया, पुरुषों की तुलना

की अधिक जरूरत होती है। पर्याप्त नींद न मिले तो दिन में झापकी लेने की अधिक संभावना होती है।

घर के काम से थकन: वैज्ञानिकों ने बताया कि महिलाओं घर की अधिक

जिम्मेदारियां निभाती हैं, इससे तानव

और थकन बढ़ता है। महिलाएं बच्चों

या बुजु़ों की मदद के लिए रात में जागती हैं। इन दबावों से उबरने के

लिए अधिक नींद जरूरी है।

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

NAAC A++

LOVELY PROFESSIONAL UNIVERSITY
Transforming Education Transforming India

Harekrishna Mahto
B.Tech. (CSE)

₹64 Lakh
Package

Pavan Kunchala
B.Tech. (CSE)

₹1 Crore
Package

**ARTIFICIAL INTELLIGENCE
MACHINE LEARNING
CYBERSECURITY
AND MUCH MORE!**

Engineering

- B.Tech. (CSE) (with Industry Tie-Ups)
- Artificial Intelligence & Machine Learning
- Cloud Computing
- DevOps (Software Development & IT Operations)
- Data Science with ML
- Big Data Analytics
- User Experience(UX)/ User Interface(UI)
- Software Product Engineering
- Decision Sci. & Machine Learning
- AI and Data Engineering
- Computer Sci. & Business Systems
- Generative Artificial Intelligence

मिल्कोमोर

पशु आहार



दूध बहेगा,
मुनाफा बढेगा..



निर्माता
कविला
कृषि उद्योग लि.

सम्पर्क करें
9310500105

मिल्कोमोर अब
Badho App पर



Badho B2B App
For Retailers



विश्वसनीयतम्

सबसे ज्यादा पोषण

अच्छा स्वास्थ्य

ज्यादा दूध

लंबी आयु



बाबा बैद्यनाथधाम-बासुकीनाथ तीर्थ क्षेत्र विकास प्राधिकार। (कार्यालय, बाबा बैद्यनाथ मंदिर, देवघर)



मॉडिया मार्केटिंग इनिशिएटिव

श्रावणी मास में कांवरियों को जलार्पण की व्यवस्था

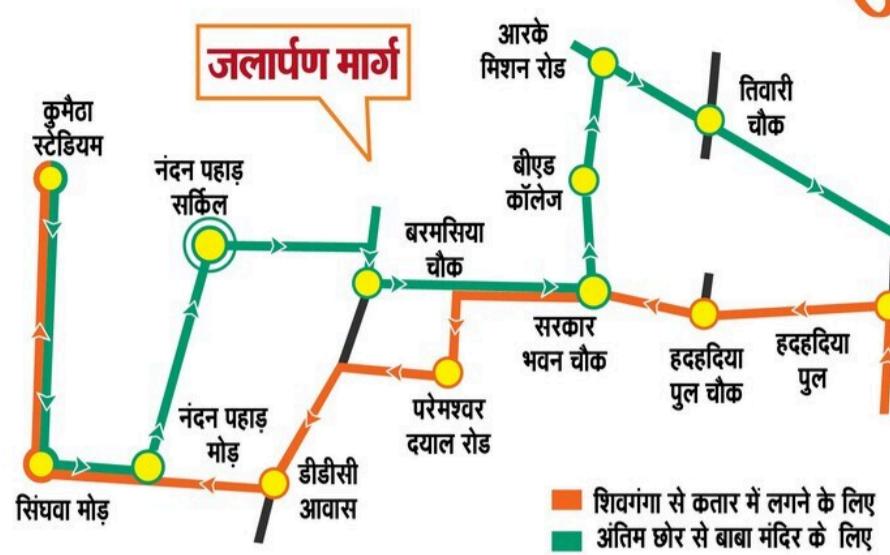
श्रावणी मेले में बाबाधाम आने वाले कांवरियों को सुलभ जलार्पण कराने के लिए प्रशासन ने तीन तरह की व्यवस्था की है। पहली व्यवस्था के तहत सामान्य कतार लगेगी। इसके लिए बाबा मंदिर से लेकर रुट लाइन में लगेंगी की व्यवस्था की जगी है। सामान्य कतार के माध्यम से पूजा करने वाले कांवरियों को जल का संकल्प कराने के बाद मानसरोवर की ओर से जलसार चिल्ड्रेन पार्क होते हुए कतार के अंतिम छोर तक जाना होगा।

इसके अलावा तीसरी व्यवस्था बाह्य अंदर से जलार्पण की है। यह मंदिर परिसर दिल्ली निकास द्वारा से स्टार हुआ है। इसमें पाइपलाइन को बाबा के शिवलिंग तक जोड़ा गया है। यहाँ पर जलार्पण करने के बाद कांवरियों को जल सीधे बाबा पर अपर्ण होगा, जिसे बाबा मंदिर के ठीक ऊपर लगे बड़े स्ट्रीन में भक्त देख सकते हैं।

श्रावणी मेला देवघर

बैद्यनाथ धाम देवघर या बाबाधाम एक महत्वपूर्ण हिन्दू तीर्थ स्थल है। यह भारत के बाहर ज्योतिर्लिंग स्थलों में से एक है। सावन के महीने में यहाँ बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु आते हैं। वैसे तो बैद्यनाथ धाम मंदिर में साल भर शिव भक्तों की भीड़ रहती है लेकिन सावन के महीने में भीड़ बढ़ जाती है और आप मंदिर परिसर में और दर्शन के लिए गलियारे में कतारबद्ध लायों भगवाधारी तीर्थयात्रियों को लिए देख सकते हैं। शिव भक्त बैद्यनाथ धाम मंदिर, देवघर में शिवलिंग का जलाभिषेक करने के लिए गंगा नदी से पवित्र जल कांवर में भर कर सुल्तानगंज से आते हैं जो देवघर से लगभग 105 किलोमीटर दूर है।

श्रावणी मेला



ॐ नमः शिवाय

Shivay

Shivay</div



સાવન ઉસ્તવ મના

ચૂંગી મોડ કા બાંસંત વિબાહ કોંલોની મેં રવિવાર કો સાવન ઉસ્તવ મનાય ગયા। અધ્યક્ષતા પૂજા તિવારા ને કી। મૌકે પર સાવન કે ઝૂલે લગાએ ગયા। મહિલાઓને ખૂબ મસ્તી કી। સાવન કે ગીતોને ઉસ્તવ મને આરી ભી ઉંમંગ ભર દિયા। મૌકે પર મહિલાઓને ખૂબ મસ્તી કી।



ન્યૂટુઅન હોલ મેં ઝારખંડી ભાષા ખતીયાની સંઘર્ષ સમિતિ કે કેંદ્રીય કાર્યકર્તા સમ્મેલન કા આયોજન હુઅ

રાજ્યહિત મેં ચુનાવ બાદ ગઠબંધન સે એતરાજ નહીં: જયરામ મહતો

ઘનબાદ, પ્રમુખ સંવાદદાતા। આરાંધી અધ્યક્ષ જયરામ મહતો ને કહા કી વિધાનસભા ચુનાવ મેં વે કિસી દાલ કે સાથ નટબંધન નહીં કરેને જા રહે હૈનું। પાર્ટી અફેને ચુનાવ લાગેની ચુનાવ કે બાદ ઝારખંડી ઔર ઝારખંડીઓને હેતુ હોય હુએ હૈનું। ચુનાવ કે બાદ કરેને વાલે દાલે કે સાથ નટબંધન મેં ઉન્ને કોઈ એતરાજ નહીં હૈ। ન્યૂટુઅન હોલ મેં રવિવાર મને આયોજિત કેંદ્રીય કાર્યકર્તા સમ્મેલન મેં પોર્ટર રાજ્ય સે પાર્ટી કે કેંદ્રીય કાર્યકર્તા શામલ હુએ।

જયરામ ને સખી કાર્યકર્તાઓનો અભી સે હી વિધાનસભા ચુનાવ કી તૈયારી મેં જુનોને કી આયોજન કિયા। કાર્યકર્મ કે બાદ પત્રકારોને સે બાતીની તરફ હોય જયરામ મહતો ને કહા કી ઉન્ની પાર્ટી આયામી વિધાનસભા મેં 60 સીટોને પર ચુનાવ લાગેની કી તૈયારી કર રહી હૈ। ઉત્તરા છોટાનાગપુર કી સમીં 25 સીટોને પર ઉન્ને ઉત્તોદાર ચુનાવ લાગેની।

કહા કી ઉત્તોદારોનો કે ચુનાવ જારી હૈ। કે ખુદ દો સીટોને ચુનાવ લાગેની, જિન્નોને એ ગિરિઢાઈ લોકસભા તો એક ઘનબાદ લોકસભા કી વિધાનસભા સીટી હોય કરી નીચેની હૈ। હાલાંકિ ઉન્નોને



ટાઉન હોલ મેં રવિવાર કો આયોજિત કેંદ્રીય કાર્યકર્તા સમેલન મેં ઉપરિસ્થિત ઝારખંડી ભાષા ખતીયાની સંઘર્ષ સમિતિ કે સદસ્ય।

- ઝારખંડી કો 60 વિધાનસભા સીટોને પર ચુનાવ લડને કી તૈયારી કર રહી જોકેએસએસ
- ડુમરી રસિયાને ચુનાવ લડું સકતે હૈ જોકેએસએસ કે કેંદ્રીય અધ્યક્ષ જયરામ

ઘનબાદ મને કામ માંગને પર હાદ્વા સે કૃચલ દિયા જા રહ્યા

જયરામ મહતો ને કહા કી આજ રાજ્ય કી રિસ્થિત ક્ષયક હો રહ્યું હૈ। ઘનબાદ મને કામ માંગને પર યાંને કોણાળ માફિયા સ્થાનીય યુવકોને કોણાં હાદ્વા સે કૃચલ દા રહે હૈનું। એસા લાતા હૈ કે યાંને માફિયા રાજ વાલ રહ્યા હૈ। પુલિસ-શસ્ત્રાન પૂણી વાગ ગયા હૈ। જયરામ ને કહા કી ઉન્ની પાર્ટી વિધાનસભા ચુનાવ મેં સ્થાનીય નીતિ કો લેકર ચુનાવ લડાડી। યાં ઉન્ની પાર્ટી કો સાથેસે બાંધુ મુદ્દો ગયા। પલાણ રોકને ઓર રોજગાર મુદ્દો કરને કે લિએ બીજી પાર્ટી કામ કરેલી। ઇસકે લિએ કોણ ઇંડિયા પર દાવ વાનકર સ્થાનીય લોગોને કે લિએ રોજગાર કા ઇંતજામ કરેલી।

વિધાનસભા સે ચુનાવ લાગેની જયરામ ને કહા કી લોકસભા કો ચુનાવ લડને લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્તાઓને કે ફોડિબેક પર ઉન્ને ટિકટ દિયા જાએના।

લડાન ચાહતે હૈનું, તો વહાં કે કાર્યકર્

दूसरी सोमवारी पर आज हर-हर महादेव से गूंजेंगे घर-मंदिर



आस्था

धनबाद, वरीय संवाददाता। सावन मास की कल दूसरी सोमवारी है। दूसरी सोमवारी पर हर-हर महादेव के नाम से घर और मंदिर गूंजें। इसके लिए सभी शिवालयों में विशेष तैयारी की गई है। शहर के भूकोड़ मंदिर, खड़ेशवरी मंदिर, दीनानाथ मंदिर, सर्वेश्वरी आश्रम सहित अन्य

महादेव के भक्त बाबाधाम के लिए निकले

महादेव के कई भक्त रविवार को बाबाधाम के लिए रवाना हो गए। बसों से सुलतनांज पहुंचे और वहां दूसरी सोमवारी पर जल उदाहरण पैदल बाबा नारी के लिए रवाना होंगे। कई भक्त निजी घास से सीधे देवरप के लिए रवाना हुए, जहां कठार में लगकर सोमवारी पर बाबा पर जलार्पण करेंगे।

शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की कतार लग जाएगी। जलार्पण करने के लिए भूकोड़ मंदिर में प्रातः चार बजे ही कठार लग जाती है। प्रातः चार बजे आरती के पश्चात भक्त शिवलिंग पर

- भारी संख्या में लोग ट्रेन और बसों से बाबाधाम को होए रवाना
- मटकुरिया रोड के भूनाथ मंदिर में महादेव का विशेष शृंगार होगा।

और आरती के बाद भोग लगाया जाएगा। दूसरी सोमवारी के लिए पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। संध्या आरती में यहां भारी संख्या में भक्तों का जुटान होगा।

आईआईटी आईएसएम धनबाद के सत्र-2024-28 में नामांकन लेने के लिए 1065 छात्र पहुंचे आंखोंमें भविष्यके सुनहरे सपने लिए आईआईटी पहुंचे छात्र-छात्रा



धनबाद, प्रमुख संबाददाता। अंखों में सुनहरे भविष्य के सपने लिए देश के अलग-अलग कोने से जैर्है में सफल छात्र ऑनलाइन एडमिशन के बाद रिपोर्टिंग के लिए आईआईटी आईएसएम पहुंचे। पूरा कैपस छात्रों की चलाकदमी से गुलजार रहा। कोई गुजारत से आया, तो कोई गुजरात से पढ़ाई करने के लिए कैपस पहुंचा।

आईआईटी आईएसएम धनबाद में रविवार को बायोटेक में नामांकन लेनेवाले देशभर के छात्र-छात्राओं की धनबाद पहुंचने सुख से ही रहा। सभी अपने-अपने माता-पिता के साथ एडमिशन लेने पहुंचे। स्टॉडेंट एक्टिविटी सेंटर में सभी को रिपोर्ट करने को कहा गया। कैपस के अंदर ही छात्रों के हाउसलैंप्लाईटेंट के बाद सभी अपने-अपने जारी रखने पहुंचे। 20 जुलाई की ओरिएटेशन कार्यक्रम होगा। इसी दिन बस से कैपिटल पहुंचे। 30 से जैर्है कैपस पहुंचे।

आईआईटी आईएसएम धनबाद में रविवार के बायोटेक में नामांकन लेनेवाले देश के अलग-अलग राज्यों से नामांकन कराने के लिए अभियाकर्ताओं के साथ पहुंचे छात्र-छात्राएं।

दीने के डिमिक प्रो एमसे सिंह ने बताया कि आईआईटी आईएसएम में रविवार के विभिन्न फॉर्म्स से आए 1065 छात्र-छात्राओं ने रिपोर्टिंग की, जिनमें से 202 छात्राएं शामिल हैं। दिनभर विभिन्न प्रक्रियाएं पूरी की गई।

रिपोर्टिंग के बाद विद्यार्थियों को हाउसलैंप्लाईटेंट भेज दिया गया। सोमवार को ओरिएटेशन प्रोग्राम का आयोजन होगा। इसी दिन बस से कैपिटल पहुंचे। पैनमेन हॉल में दो शिफ्ट में संस्थान को आयोजित नहीं होता। विभिन्न फॉर्म्स में रिपोर्टिंग की जाएगी। कैपस के अंदर ही छात्र-छात्राओं की जरूरत के सामान के काठांटर लगाए गए। छात्रों ने अपनी अपनी जरूरत के हिसाब से सामान की खरीदारी की। वहीं कैपस के अंदर अनेजाने को लिए साइकिल की भी बिक्री हुई।

संस्थान, कोर्स से संबंधित, कैपस में उपलब्ध संसाधन समेत अन्य जानकारी दी जाएगी।

कैपस के अंदर ही बेड से लेकर बाल्टी तक मिलते हैं विभिन्न फॉर्म्स के अंदर ही छात्र-छात्राओं की जरूरत के सामान के काठांटर लगाए गए। छात्रों ने अपनी अपनी जरूरत के हिसाब से सामान की खरीदारी की। वहीं कैपस के अंदर अनेजाने को लिए साइकिल की भी बिक्री हुई।

धनबाद के अलग-अलग राज्यों से नामांकन कराने के लिए अभियाकर्ताओं के साथ पहुंचे छात्र-छात्राएं।

धनबाद। रांची के होटेल विद्यमांग प्लॉय में आयोजित 14वीं झारखंड राज्यस्तरीय जनियर व सब जनियर के एकेटिक (तैराकी) प्रतियोगिता में धनबाद के तैराकों ने अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किए। 40 पदकों पर कब्जा करुंगे 22 पदक।



राज्य तैराकी प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले खिलाड़ी।

जयंती ज्ञा, आलोक अग्रवाल, डॉ अंतिम, स्विमिंग कोच रीमा मौर्य और अनिकेत ने एक-एक कांस्य जीती। जैवंती ज्ञा, आलोक अग्रवाल, डॉ अंतिम प्रेमित, स्विमिंग कोच रीमा मौर्य और अनिकेत ने एक-एक कांस्य जीती।

जैवंती ज्ञा ने एक पैरे से वापस आयी। कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

कैपस के अंदर उत्सव के लिए अपने घर लौट आयी।

जीवन में अगर अर्थपूर्ण रिश्ते बनाना चाहते हैं तो इंटरनेट से जुड़ी अपनी गैरजलूरी व्यस्तता को कुछ कम करना आपके काम आ सकता है। आज सोशल मीडिया के जरिये हमें आभास तो बहुत से लोगों से जुड़े रहने का होता है, पर रिश्तों के हमारे असल जोड़ कमजोर पड़ जाते हैं।

11 बातें बढ़ाएंगी रिश्तों में अपनापन

एंड्रियोज़ॉन्सन

कहा यहा है कि तकनीक एक अच्छी सेवक तो है लेकिन अच्छा मालिक नहीं है। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहाँ मार एक बटन दबाकर दुनिया के किसी भी कोने तक अपने संदेश पहुंच सकते हैं। सोशल मीडिया ने भी दुनिया भर के खिलाफ़ खिलाफ़ परिवर्तन किया है। आज एसी दुनिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तकनीकी परिकास के पायारे इतने हैं कि उसकी कमियों के बारे में बहस करना कठिन लगता है। लेकिन, तकनीक के इन तमाम फायदों के बावजूद रोजर्जर्मान के जीवन में मुख्यों का आपस में संबंध खत्म हो गया है।

अब हमें अपने स्मार्टफोन, क्यूट्यूर और टैब्लेट जैसे तकनीकी उपकरणों से दूर रहने के लिए यह दिलाना पड़ता है। लेकिन, कुछ समय स्वयं के लिए निकाल सके और गैर-जरूरी जानकारी से छुटकारा पा सके।

खाने की मेज़ के चारों ओर बैठे परिवार के सदस्य जिस तरह सिर झुकाए अर्थात् अपने-अपने स्मार्टफोन में डूब रहते हैं, वह बेहोश होता है, लेकिन आज की सच्चाई भी यही है। असल में हम अपनी आधारी दुनिया में बिलकूल रम चुके हैं। इसलिए एक ही घर में रहने के बावजूद एक-दूसरे से चैट्स, मैसेज और सोशल मीडिया पर बात करते हैं। लोगों के पास अपने लोज़िज खाने को फोने इंस्टाग्राम पर शेयर करने का समय तो है, लेकिन उन लोगों के लिए बत्त नहीं है, जो तमाम उत्तर-चहारों के बीच उनके साथ खड़े रहते हैं।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, कोई पड़ोसी या आपके बचपन

खूबसूरत जिंदगी

का कोई शिक्षक भी हो सकता है। वह ऐसे कोई भी व्यक्ति हो सकता है, जिसे हमारे साथ की जरूरत हो, लेकिन अपनी व्यस्तताओं के चलते हम उनसे मिलने की बजाय फोन पर बात करके ही अपना फोन अदा समझ लेते हैं।

मेरे माता-पिता दोनों का काम की थी, इसलिए

मेरा बचपन स्कूल और शायर को अपने माता-

पिता के साथ घर में ही बीता है। तब स्मार्टफोन नहीं हुआ करते थे और ऑफिस का काम घर पर नहीं लाया जाता था। लिहाज़, आपस में बातचीत करने के लिए काफ़ी समय होता था। उस समय न सेल्पनी का चलन था और न ही सोशल मीडिया पर ज्यादा लाइक्स पाने का जुनून था। हम अपने चर्चे भाई-बहनों को हाथ से जिन्हीं लिखाकर भेजते थे, क्योंकि वह इन्हीं बातों में कमाल की खुशियां मिल जाती थीं। लेकिन, आज सोशल मीडिया पर लोग इतना कंटेट डालते हैं तो भी हम उससे जुड़ नहीं पाते।

हम स्वयं से दूर होते जा रहे हैं और सच्चाई को नहीं पहचान पार है। किसी मशहूर हस्तके जीवन की लेखा-जोखा खबरे की बजाय हमें अपने प्रियजनों के साथ रिश्ते जमजूर बनाने पर ध्यान देने की जरूरत है।

आधारी दुनिया में आप जो चाहें बन सकते हैं और लोग उस पर काम करेंगे। लेकिन, ऐसे रिश्ते सतही होते हैं, जिनमें संवेदनाओं और अहसासों की जोर जाह नहीं होती है। सोशल साइट्स पर आपके हजारों फॉलोअर्स आपके असल रिश्ते ही हैं। वह सिर्प सच्चाई को नकारने का माध्यम है। जरा सोचिए, अंतम बार आपने अपने परिवार या करीबी दोस्त के साथ दिल खोल कर बात की थी। वह ऐप प्रियजनों से सिर्प लोहारों पर बात करने चाहिए। जरूरी नहीं कि हर बार कुछ विशेष बात बताने के लिए ही मिला जाए। कभी-कभी यह भौलकर यह जाता है कि वह आपके लिए कितने खास हैं।

हमारा जीवन ऐसा ही नहीं चाहिए, जहाँ हमारी व्यस्तता का निजी रिश्तों पर असर न पड़े। उससे मिलने और समय बिताने के लिए हमें अवसर का इन्टरायर नहीं करना चाहिए। जरूरी नहीं कि हर बार नहीं करना चाहिए। तब स्मार्टफोन नहीं भी करेंगे, तो उसका कुछ नहीं भी करेंगे।

tinybuddha.com

मेरे माता-पिता दोनों का काम की थी, इसलिए मेरा बचपन स्कूल और शायर को अपने माता-पिता के साथ घर में ही बीता है। तब स्मार्टफोन नहीं हुआ करते थे और ऑफिस का काम घर पर नहीं लाया जाता था। लिहाज़, आपस में बातचीत करने के लिए काफ़ी समय होता था। उस समय न सेल्पनी का चलन था और न ही सोशल मीडिया पर ज्यादा लाइक्स पाने का जुनून था। हम अपने चर्चे भाई-बहनों को हाथ से जिन्हीं लिखाकर भेजते थे, क्योंकि वह इन्हीं बातों में कमाल की खुशियां मिल जाती थीं। लेकिन, आज सोशल मीडिया पर लोग इतना कंटेट डालते हैं तो भी हम उससे जुड़ नहीं पाते।

हम स्वयं से दूर होते जा रहे हैं और सच्चाई को नहीं पहचान पार है। किसी मशहूर हस्तके जीवन की लेखा-जोखा खबरे की बजाय हमें अपने प्रियजनों के साथ रिश्ते जमजूर बनाने पर ध्यान देने की जरूरत है।

लोगों की आपसी बातों को जाहिर करने के लिए उत्तर-चहारों के बीच उन्हें जारी रखना चाहिए। असल में हम अपनी आधारी दुनिया में बिलकूल रम चुके हैं। इसलिए एक ही घर में रहने के बावजूद एक-दूसरे से चैट्स, मैसेज और सोशल मीडिया पर बात करते हैं। लोगों के पास अपने लोज़िज खाने को फोने इंस्टाग्राम पर शेयर करने का समय तो है, लेकिन उन लोगों के लिए बत्त नहीं है, जो तमाम उत्तर-चहारों के बीच उनके साथ खड़े रहते हैं।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपना समाज में अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नजर अंदर जाते हैं, वह रोजगार की तलाश में बाहर गए व्यक्ति के माता-पिता हो सकते हैं, बचपन का कोई पुराना दोस्त हो सकता है, जो अपनी अहमियत जताना जरूरी हो जाता है।

जिन लोगों को आप नज

अपना ज्ञातखंड

हत्या के कारणों का खुलासा नहीं, वारदात के बाद आरोपी फरार पलामू में पत्नी की पत्थर से कृच्छ्र हत्या, बेटी गंभीर

| रिपोर्ट का कल |

लातेहार में नशे में धूत पोते नेदादी पर चढ़ाया आँटो, मौत

मेदिनीनगर, प्रतिनिधि। रामगढ़ थाना क्षेत्र के उल्लमन जंगल में शनिवार को 45 वर्षीय देवनाथ कोरवा ने पत्नी मरियम देवी और आठ वर्षीय बेटी बुटनी को पथर से कूच डाला। इसके बाद उसके मरियम की जहां मौत हो गई, वहीं बुटनी की हालत गंभीर है। घटना के बाद से आरोपी देवनाथ फरार है। घटना के पीछे वज्र बता रहा है, इसका खुलासा नहीं हो पाया है। आरोपी की गिरफतारी के लिए पुलिस सम्भावित ठिकानों पर छापेरमारी कर रही है। मरियम की गिरफतारी के लिए पुलिस सम्भावित ठिकानों पर छापेरमारी कर रही है।

मरियम की गिरफतारी के लिए पुलिस करीब 20 साल पहले देवनाथ ने उसके पांच की भी हत्या कर दी थी।

जानकारी के अनुसार, देवनाथ पत्नी मरियम और देवी को बहाने से उत्तमान जंगल ले गया और अचानक पथर से हमला कर पहले पानी, फिर देवी को कूच डाला। देवी के बेवधु देवी ने पर उड़े मरा सम्भाव देवनाथ सुनीं परियों से ढंक फरार हो गया। इसी बीच बेसुध बुटनी को होश आया और गांव लौटकर उसने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद उत्तर रामगढ़ पुलिस को सूचना

महुआडांड (लातेहार)। थाना क्षेत्र के सामीप डाल्टनगंज मुख्य सड़क पर सड़क दुर्घटना में एक बुद्ध महिला की मौत हो गई। जिसकी पहचान किसी नाम कुजूर पति स्व मारुक्ष किंडो के रूप में हुई। मौत का कारण दुर्घटना बताया जा रहा है।

मृतक अपने पोते के साथ टिमाटिड से टेम्पो में साकर होकर लौट रही थीं टेम्पो उसका पोता नेम्हा किंडो नशे की हालत चला रहा था।

टेम्पो अनियंत्रित होने के कारण टेम्पो

दी गई। पुलिस ने गंभीर बुटनी को बेवधु देवी को अपने पानी से मिलकर कराई है। थाना प्रभारी उत्तम देवी के नेतृत्व अनुसंधान करते हुए पुलिस ने अजय बर्मा हत्याकांड का खुलासा किया। साथ ही आरोपी अमृता देवी को गिरफतार कर रविवार को जेल भेज दिया है।

महुआडांड में रविवार को घटनास्थल पर विलाप करती महिलाएं। — हिन्दुस्तान

से उसकी दादी गिर गयी, घबराया हुए पोता टेम्पो घुमाने के चक्कर में गिरी हुई दादी पर ही आँटो चढ़ा दिया।

की हत्या, उसकी पली अमृता देवी ने अपनी प्रेमी से मिलकर कराई है। थाना प्रभारी उत्तम देवी के नेतृत्व अनुसंधान करते हुए पुलिस ने अजय बर्मा हत्याकांड का खुलासा किया। साथ ही आरोपी अमृता देवी को गिरफतार कर रविवार को जेल भेज दिया है।

गढ़वा, पूर्सिंहमूम में हाथियोंने 3 को कृचला

चिनिया (गढ़वा) / चाकुलिया (जम्बोदुरुर), हिन्दी। चाकुलेंड में हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। पहली घटना में गढ़वा जिले के चिनिया में शनिवार की रात करीब 11 बजे बिल्लीतीवर गांव के पाल दोला में हाथी ने स्थानीय निवासी भौंधा पाल की पत्नी 60 वर्षीय फूलकुमारी देवी को घर के पास खाली रही। इसके बाद पुलिस ले शव बताया। उसके बाद पुलिस ले शव बताया। चाकुलिया नार पंचायत के वाईं संस्थाएँ 12 स्थित दियों गांव की है, जबकि दूसरी घटना बड़ामारा पंचायत के चौथियों में घटी। गढ़वा की घटना में सच्चना पर पहुंची वारा विभाग और पुलिस की टीम का आक्रोशित ग्रामीणों

■ चिनिया में बुजुर्ग महिला को पटक कर मार डाला
■ चाकुलिया में दो बुजुर्गों को कृचला

ने विरोध किया। शव के साथ चिनिया-रामपुरा मुख्य सड़क को जाम कर दिया।

■ चाकुलिया में दो बुजुर्गों को कृचला

हाथी ने घर पर हमला कर दिया। हाथी ने घर की दीवार को ध्वन कर दिया।

इस हादसे में घर में से रही बुद्धा बासों हांसदा की दीवार के मलवा में दबने से मौत हो गयी। वहीं चाकुलिया के बड़ामारा पंचायत के चिठिया गांव के कूठियाडांड टोका में रविवार की अल्प सुबह शैश चक्कर करने के लिए निकले अकिल दुड़ी को जंगली हाथी के निशाने पर आ गया। हाथी उड़े घसीट कर जाम कर्बल ले गया।

बुद्धा ने रविवार को चार घंटे तक जाम रहा।

समझने-बुद्धा के बाद पुलिस ले शव बताया। उसके बाद पुलिस ले शव बताया। चाकुलिया नार पंचायत के वाईं संस्थाएँ 12 स्थित दियों गांव की है, जबकि दूसरी घटना बड़ामारा पंचायत के चौथियों में घटी। गढ़वा की घटना में सच्चना पर पहुंची वारा विभाग और पुलिस की टीम का आक्रोशित ग्रामीणों

को पांच घंटे तक जाम रहा।

बुद्धा ने रविवार को चार घंटे तक जाम रहा।

उसके बाद पुलिस ले शव बताया। चाकुलिया नार पंचायत के वाईं संस्थाएँ 12 स्थित दियों गांव की है, जबकि दूसरी घटना बड़ामारा पंचायत के चौथियों में घटी। गढ़वा की घटना में सच्चना पर पहुंची वारा विभाग और पुलिस की टीम का आक्रोशित ग्रामीणों

को पांच घंटे तक जाम रहा।

बुद्धा ने रविवार को चार घंटे तक जाम रहा।

उसके बाद पुलिस ले शव बताया। चाकुलिया नार पंचायत के वाईं संस्थाएँ 12 स्थित दियों गांव की है, जबकि दूसरी घटना बड़ामारा पंचायत के चौथियों में घटी। गढ़वा की घटना में सच्चना पर पहुंची वारा विभाग और पुलिस की टीम का आक्रोशित ग्रामीणों

को पांच घंटे तक जाम रहा।

बुद्धा ने रविवार को चार घंटे तक जाम रहा।

उसके बाद पुलिस ले शव बताया। चाकुलिया नार पंचायत के वाईं संस्थाएँ 12 स्थित दियों गांव की है, जबकि दूसरी घटना बड़ामारा पंचायत के चौथियों में घटी। गढ़वा की घटना में सच्चना पर पहुंची वारा विभाग और पुलिस की टीम का आक्रोशित ग्रामीणों

को पांच घंटे तक जाम रहा।

बुद्धा ने रविवार को चार घंटे तक जाम रहा।

उसके बाद पुलिस ले शव बताया। चाकुलिया नार पंचायत के वाईं संस्थाएँ 12 स्थित दियों गांव की है, जबकि दूसरी घटना बड़ामारा पंचायत के चौथियों में घटी। गढ़वा की घटना में सच्चना पर पहुंची वारा विभाग और पुलिस की टीम का आक्रोशित ग्रामीणों

को पांच घंटे तक जाम रहा।

बुद्धा ने रविवार को चार घंटे तक जाम रहा।

उसके बाद पुलिस ले शव बताया। चाकुलिया नार पंचायत के वाईं संस्थाएँ 12 स्थित दियों गांव की है, जबकि दूसरी घटना बड़ामारा पंचायत के चौथियों में घटी। गढ़वा की घटना में सच्चना पर पहुंची वारा विभाग और पुलिस की टीम का आक्रोशित ग्रामीणों

को पांच घंटे तक जाम रहा।

बुद्धा ने रविवार को चार घंटे तक जाम रहा।

उसके बाद पुलिस ले शव बताया। चाकुलिया नार पंचायत के वाईं संस्थाएँ 12 स्थित दियों गांव की है, जबकि दूसरी घटना बड़ामारा पंचायत के चौथियों में घटी। गढ़वा की घटना में सच्चना पर पहुंची वारा विभाग और पुलिस की टीम का आक्रोशित ग्रामीणों

को पांच घंटे तक जाम रहा।

बुद्धा ने रविवार को चार घंटे तक जाम रहा।

उसके बाद पुलिस ले शव बताया। चाकुलिया नार पंचायत के वाईं संस्थाएँ 12 स्थित दियों गांव की है, जबकि दूसरी घटना बड़ामारा पंचायत के चौथियों में घटी। गढ़वा की घटना में सच्चना पर पहुंची वारा विभाग और पुलिस की टीम का आक्रोशित ग्रामीणों

को पांच घंटे तक जाम रहा।

बुद्धा ने रविवार को चार घंटे तक जाम रहा।

उसके बाद पुलिस ले शव बताया। चाकुलिया नार पंचायत के वाईं संस्थाएँ 12 स्थित दियों गांव की है, जबकि दूसरी घटना बड़ामारा पंचायत के चौथियों में घटी। गढ़वा की घटना में सच्चना पर पहुंची वारा विभाग और पुलिस की टीम का आक्रोशित ग्रामीणों

को पांच घंटे तक जाम रहा।

बुद्धा ने रविवार को चार घंटे तक जाम रहा।

उसके बाद पुलिस ले शव बताया। चाकुलिया नार पंचायत के वाईं संस्थाएँ 12 स्थित दियों गांव की है, जबकि दूसरी घटना बड़ामारा पंचायत के चौथियों में घटी। गढ़वा की घटना में सच्चना पर पहुंची वारा विभाग और पुलिस की टीम का आक्रोशित ग्रामीणों

को पांच घंटे तक जाम रहा।

बुद्धा ने रविवार को चार घंटे तक जाम रहा।

उसके बाद पुलिस ले शव बताया। चाकुलिया नार पंचायत के वाईं संस्थाएँ 12 स्थित दियों ग

ओलंपिक पदक विजेता को नरेंद्र मोदी ने फोन पर बधाई दी, कहा- पहली नाकामी के बाद अब इतिहास रच दिया प्रधानमंत्री मोदी ने मनु से कहा इस बार सारी कमी पूरी कर दी

शाबाश



मनु भाकर फोन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करती हुई।

सरकार का धन्यवाद, सुविधाएं मिल रहीं : मनु

प्रधानमंत्री मोदी ने मनु से पूछा, वहा बाकी सभी खिलाड़ी टीम हैं और खुश हैं वहाँ। हमने कोशिश की है कि वहा हमारे खिलाड़ियों को जिनकी जाता सुविधाएं दे सकें। इस पर मनु ने कहा कि सभी सुविधाएं मिली हैं। एसए पर प्रधानमंत्री मोदी के पोस्ट पर जवाब देते हुए मनु ने लिखा, आशीर्वाद पदक पर निशाना साध दिया।

टोक्यो ओलंपिक के दौरान पिस्टल

में गढ़वाली आने के बाद मनु पदक से चूक हड्डी थी। लेकिन उन्होंने नाकामी से प्रेरणा लेकर इस भारत इतिहास रच दिया।

निशानेबाज मनु ने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में कांस्य पदक के साथ निशानेबाजी में ओलंपिक पदक के भारत के 12 साल के इंजार को खत्म किया।

इसके साथ ही निशानेबाज मनु भाकर

ने पेरिस ओलंपिक में भारत के पदक का खाली खाला। वह ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज भी बनी।

प्रधानमंत्री मोदी ने मनु से फोन पर

कहा, बहुत-बहुत बधाई। मैं बहुत

उत्साही और आनंद में हूं। उन्होंने कहा,

आपका रुजू 0. 1 अंक से रह गया

लेकिन क्षेत्रीय के लिए बाकी भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

आपको दो प्रकार की क्रेडिट मिल

रही है। एक तो आप कांस्य पदक लाइ

और दूसरा देश की पहली महिला

बनी।

कांस्य (पदक) के लिए निशानेबाजी

में पदक लाइ यह भारतीय आपने देश का

नाम रोशन किया।

टोक्यो में पिस्टल में खराबी के कारण रेंज से रोते हुए निकली थी झज्जर की मनु, पेरिस में कांसे के साथ खोला देश का खाता

भाकर ने आंसुओं को जश्न में बदला



शेटराउ (फ्रांस), एजेंसी। तीन बास पहले टोक्यो में अपने पहले ओलंपिक में पिस्टल में खराबी आने के बावजूद मनु भाकर निशानेबाजी रेंज से रोते हुए निकली थी। उसके बाद निशाना और अवसाद में रही मनु ने करीब एक माह तक पिस्टल को हाथ नहीं लगाया था। लेकिन फिर उस दूसरे अनुभव को ही अपनी प्रेणा बनाया। रविवार को पेरिस ओलंपिक में कांसे के साथ उन सभी जाँचों पर मरम्म भी लगाया और देशवासियों को जश्न मनाने का मौका भी दिया।

0.1 अंक से जीत से छूँकः कांटे के फ़ाइनल में जब तीसरे स्थान के लिए उनके नाम का एलेन हुआ तो उनके चेहरे पर सुकून की एक मुद्राकान थी और कांसे की पांच थी। 0.1 अंक और होते ही पदक का रंग कुछ और होता। पर ओलंपिक पदक तो ओलंपिक पदक है।

अगली बार बदलनी चाहते का रंग फ़िल्म के लेडी श्रीमान कॉलेज की छात्र मनु के हाथ, बहुत खुश हुक्के में कांस्य पदक पर उनकी ओर हो सकता है कि अगली बार इसका रंग बदलता हो। मुझे अच्छा लग रहा है। देश को इस पदक का लंबे समय से इंतजार था। मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा। पिछले दो दिनों में प्रयास इतना शानदार रहा जिसकी एक एथलीट से उम्मीद की जाती है।

राणा के साथ से मिली तकतः मनु को दबाव से निपटने में रुद्धि में खड़े कोच जसपाल राणा की मौजूदी से भी ताकत मिली। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में राणा के साथ पिर से जुड़ने से वह बेहतर एथलीट बन गई है। उन्होंने कहा, राणा सर की ओर से देखने से मुझे हमत्म प्रिली है। हमने साथ बिलकुर जी भी जीत में बदलना की अनुशासन नहीं रही थीं पर कहीं न कहीं मैं लापरवाह रही। मैं किसी न किसी कारण से पीछे रह गई। मुझे लगता है कि अगर आप नहीं जीत सकते तो उसके बहुत कुछ सोच सकते हैं। लेकिन कोन्स का सबक नहीं होता तो मैं आज यहां नहीं होती।

मनु के पदक

विश्व चैंपियनशिप
2023

विश्व कप में 11 पदक
9 2022

राष्ट्रमंडल खेल
2018

एशियन चैंपियनशिप
2019

स्वर्ण जीतने वाली सबसे युवा भारतीय
मनु ने 2018 में 16 साल की उम्र में विश्व कप में भारत के लिए दो स्वर्ण जीते थे। वह 10 मीटर पिस्टल की विश्वतात्त्व और मिश्रित स्पर्धा में विजेता बनी थी।

14 वीं राज्य तैराकी में टाटा स्टील और रांची बने चैंपियन

रांची, खेल संवाददाता। आखिर तो रांची नियन्त्रित तथा जीती रांची तैराकी में टाटा स्टील ने 489 अंकों के साथ और आर और लिंग जीता।

रांची जिला युव वन तथा युव 3 तैराकी में चैंपियन बना। इन दोनों में टाटा स्टील ही उपविजेता बना। अलान-अलग वर्ग में बेस्ट प्लेयर भी घोषित किए गए।



रांची में रविवार को राज्य तैराकी प्रतियोगिता के विजेता तथा उपविजेता खिलाड़ी।

ऐतिहासिक | आठवां खिताब जीतने का भारतीय टीम का सपना चकनाचूर किया, मेजबान टीम ने खिताबी मुकाबले में आठविकेट से बड़ी जीत हासिल की।

भारत को हरा श्रीलंका पहली बार बना महिला एशिया कप चैंपियन

दाम्बुला, एजेंसी। आखिरकार

श्रीलंका को खिताब जीत ही लिया। छठे प्रयास में टीम चैंपियन बनने में सफल हो गई। हर्षिया समरविक्रमा और काताना चामरी अटापटू की आकर्षक परियों और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 87 रन की रान बनाने के बाद श्रीलंका ने खिताबी को हांवी होने का मौका भी दिया।

भारत को 20 ओवर में छह विकेट पर 165 रन पर रोकने के बाद श्रीलंका ने 18.4 ओवर में दो विकेट दर्ज की।

खराब रहा भारतीय प्रदर्शन: भारत की हार में खराब गेंदबाजी के साथ लचर क्षेत्रक्रशन का भी हाथ रहा। काताना हरमनप्रीत करने से समरविक्रमा का आसान कैच

09 बार भारतीय टीम अब तक फ़ाइनल में पहुंची, साथ बार खिताब जीतने में सफल हुई।

06 बार श्रीलंका की टीम खिताबी मुकाबले में पहुंची, एक बार चैंपियन बनी।

टपकाया जिन्होंने 51 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और दो छक्के की मदद से 69 रन बनाया। चामरी ने 43 गेंद में नौ चौके और दो छक्के से 61 रन बना भारतीय गेंदबाजों को हांवी होने का मौका भी दिया।

काताना के आउट होने के बाद समरविक्रमा ने कविशा दिल्हारी के साथ तीसरे विकेट के लिए 73 रन जोड़कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

खराब रहा भारतीय प्रदर्शन: भारत की हार में खराब गेंदबाजी के साथ लचर क्षेत्रक्रशन का भी हाथ रहा। काताना हरमनप्रीत करने से समरविक्रमा का आसान कैच

बॉकिंग: निकहत अंतिम 16 में पहुंचीं

पेरिस, एजेंसी। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जीतने में फ़ाइला और रिद्दिम तथा जीतवारी। युव 2: गौतम गुरु और जेनिफर। युव 3: अर्णव अनंद और रिचा साह। युव 4: अयान गांधी तथा बालिका वर्ग में रहेना।

प्रतियोगिता में गेंदबाजी का माल्टीस्पॉर्ट काम्पलेक्स के तरणातल में संपन्न हुई।

परियाम: युव 1: बेस्ट प्लेयर ईशान

गौतम और रिचा ने एलेन की जीत ली। युव 2:

गौतम गुरु और जेनिफर। युव 3:

अर्णव अनंद और रिचा साह। युव 4:

अयान गांधी तथा बालिका वर्ग में रहेना।

प्रतियोगिता में गेंदबाजी का माल्टीस्पॉर्ट काम्पलेक्स के तरणातल में संपन्न हुई।

परियाम: युव 1: बेस्ट प्लेयर ईशान

गौतम और रिचा ने एलेन की जीत ली। युव 2:

गौतम गुरु और जेनिफर। युव 3:

अर्णव अनंद और रिचा साह। युव 4:

अयान गांधी तथा बालिका वर्ग में रहेना।

प्रतियोगिता में गेंदबाजी का माल्टीस्पॉर्ट काम्पलेक्स के तरणातल में संपन्न हुई।

परियाम: युव 1: बेस्ट प्लेयर ईशान

गौतम और रिचा ने एलेन की जीत ली। युव 2:

गौतम गुरु और जेनिफर। युव 3:

अर्णव अनंद और रिचा साह। युव 4:

अयान गांधी तथा बालिका वर्ग में रहेना।

प्रतियोगिता में गेंदबाजी का माल्टीस्पॉर्ट काम्पलेक्स के तरणातल में संपन्न हुई।

परियाम: युव 1: बेस्ट प्लेयर ईशान

गौतम और रिचा ने एलेन की जीत ली। युव 2:

गौतम गुरु और जेनिफर। युव 3:

अर्णव अनंद और रिचा साह। युव 4:

अयान गांधी तथा बालिका वर्ग में रहेना।

प्रतियोगिता में गेंदबाजी का माल्टीस्पॉर्ट काम्पलेक्स के तरणातल में संपन्न हुई।

परियाम: युव 1: बेस्ट प्लेयर ईशान

गौतम और रिचा ने एलेन की जीत ली। युव 2:

गौतम गुरु और जेनिफर। युव 3:

अर्णव अनंद और रिचा साह। युव 4:

अयान गांधी तथा बालिका वर्ग में रहेना।

प्रतियोगिता में गेंदबाजी का माल्टीस्पॉर्ट काम्पलेक्स के तरणातल में संपन्न हुई।

परियाम: युव 1: बेस्ट प्लेयर ईशान

गौतम और रिचा ने एलेन की जीत ली। युव 2:

गौतम गुरु और जेनिफर। युव 3:

अर्णव अनंद और रिचा साह। युव 4:

अयान गांधी तथा बालिका वर्ग में रहेना।

प्रतियोगिता में गेंदबाजी का माल्टीस्पॉर्ट काम्पलेक्स के तरणातल में संपन्न हुई।

परियाम: युव 1: बेस्ट प्लेयर ईशान

गौतम और रिचा ने एलेन की जीत ली। युव 2:

गौतम गुरु और जेनिफर। युव 3:

अर्णव अनंद और रिचा साह। युव 4:

अयान गांधी तथा बालिका वर्ग में रहेना।

अपना बिजनेस



सुंदर Skin का मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम रूप मंत्रा

Scars • Wrinkles • Pimples • Dull Skin
24x7 Helpline: 87259 66666 • www.roopmantra.com • Available at all medical & general stores



सोने और चांदी के ईटीएफ अभी निवेश के लिए बेहतर विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। आम बजट में सोने और चांदी पर लगने वाले इनकी शुरूक में कटौती के बाद से इनका बेहतर विकल्प हो सकता है। इसका कारण है कि सोने-चांदी के आधुनिकों की कीमतों में और गिरावट दरें का मिल सकता है।

अगर अभी कोई निवेशक इनमें निवेश करता है और दाम विनते हैं तो उसके लिए फिर से इसमें पैसा लगाना (औसत करना) मुश्किल हो सकता है। लेकिन ईटीएफ खरीदा और बेचा जा सकता है।

शुरूक में कोई पांचवें से बाहर होती जा रही इन कीमती धूतूँ की कीमतों में गिरावट का दौर आगे जारी रख सकता है। निवेशकों को अभी आधुनिक या

24 कैरेट वाले डिजिटल गोल्ड में निवेश करने से बचना चाहिए। अभी की परिस्थिति में वे गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ का रुख कर सकते हैं।

ऐसे फायदा देंगे

जानकारी के मुताबिक सोने और चांदी के ईटीएफ में निवेश करना बेहतर विकल्प हो सकता है। इसका कारण है कि सोने-चांदी के आधुनिकों की कीमतों में और गिरावट दरें का मिल सकता है।

अगर अभी कोई निवेशक इनमें निवेश करता है और दाम विनते हैं तो उसके लिए फिर से इसमें पैसा लगाना (औसत करना) मुश्किल हो सकता है। लेकिन ईटीएफ खरीदा और बेचा जा सकता है।

5. गोल्ड के मुकाबले खरीद शुरूक कम लाभ है। 100 फौसदी शुरूता की पूरी गारंटी होती है।

निवेश के फायदे

- 1. एसआईपी की तरह खरीद और बेच सकते हैं।
- 2. उत्तर-चांदी कम होता है, ज्यादा नुकसान की चिंता नहीं।
- 3. ये उच्च तरलता वाले होते हैं यानी इन्हें जांच होने तक खरीदा और बेचा जा सकता है।
- 4. इन्हें ट्रिमेट खाते से ऑनलाइन खरीदा जा सकता है।
- 5. गोल्ड के मुकाबले खरीद शुरूक कम लाभ है। 100 फौसदी शुरूता की पूरी गारंटी होती है।

एक साल में कितना लाभ

- **सोना :** 23% तक का औसत मुनाफा दिया जाते एक साल में।
- **चांदी :** 26% से ज्यादा रिटर्न देने में कामयाब रही।



कम कीमत में खरीद सकते हैं

ईटीएफ की एक यूनिट की कीमत 60 रुपये से भी शुरू हो सकती है। निवेशक एक बार में कितनी भी यूनिट खरीद सकता है। वहाँ, जो लोग एक साथ मोटा निवेश नहीं कर सकते, उनके लिए एसआईपी ईटीएफ के दाम भी गिरते हैं, तो निवेशक कम कीमत के लिए असानी से इन्हें एवरेज कर सकते हैं।

ऐसे कर सकते हैं निवेश

- गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में निवेश शेयर बाजार के माध्यम से किया जा सकता है। यह वीसईसई और एनएसई दोनों टर्मोकैप एप्लीकेशन पर उपलब्ध है।
- इसके लिए बाकर के माध्यम से ट्रिमेट खाता खोला होगा। अलां-अलग निवेश कंपनियां गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में निवेश के विकल्प उपलब्ध करती हैं। जिस कंपनी के ईटीएफ में निवेश करना चाहते हैं, उसे चुनें।
- फिर निवेश का तरीका चुनें। यहाँ एकमुश्त और एसआईपी के विकल्प दिखाई देंगे। एक साथ पैसा नहीं लगा सकते हैं तो मासिक एसआईपी का विकल्प
- ट्रिमेट खाते में ऑर्डर लगाने के दो दिनों के बाद ईएफटी खाते में जमा हो जाता है। इसके बाद इसे आसानी से बैंक जा सकता है।

निवेशकों ने जून तिमाही में 94,151 करोड़ रुपये निवेश किए

म्यूचुअल फंड में रिकॉर्ड पांच गुना रकम लगाई

उत्साहजनक

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद शेयर बाजार में आए तेज उत्तर-चांदी के बावजूद इकट्ठी म्यूचुअल फंड के प्रति निवेशकों का जोश कम नहीं हुआ है। इसी का नतीजा है कि जून 2024 में समात तिमाही में इसमें निवेश पांच गुना होकर 94,151 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

एक साल पहले समान तिमाही में यह आंकड़ा 18,358 करोड़ रुपये था। खास बात यह है कि निवेशकों ने इस साल के सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए अकेले जून माह में 40,537 करोड़ का निवेश किया है।

एक तो दो माह में रिकॉर्ड निवेश हुआ : एसआईएस और म्यूचुअल फंड्स इंडिया (एम्पी) के आकड़ों के अनुसार, इस साल म्यू और जून के बावजूद इकट्ठी में एकमुश्त निवेशकों का जोश कम नहीं हुआ है। अर्थात् जून के बावजूद इकट्ठी में निवेशकों का जोश कम नहीं हुआ है।

एक साल पहले समान तिमाही में आए थे एसआईएस और म्यूचुअल फंड्स इंडिया (एम्पी) के आकड़ों के अनुसार, इस साल म्यू और जून के बावजूद इकट्ठी में एकमुश्त निवेशकों का जोश कम नहीं हुआ है। अर्थात् जून के बावजूद इकट्ठी में निवेशकों का जोश कम नहीं हुआ है।



छोटी कंपनियों ने बड़ा मुनाफा दिया

इस साल अबतक छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेशकों का अधिक रिटर्न दिया है। बीसईसई मिडेल्स सूक्षक इस वर्ष 16 जुलाई 10,984.72 अंक या 29.81 प्रतिशत चढ़ा है, जबकि सॉल्यूशन्स में 11,628.13 अंक या 27.24 प्रतिशत का उछाल आया है।

बींते तीन माह में एसआईपी निवेश प्रत्येक माह में 20,000 करोड़ से ऊपर रहा।

निवेशक भी बढ़े : आंकड़ों के

क्यों बढ़ रहा रुप्तान

- 1. भारत की वृद्धि दर तेज रहने की उम्मीद।
- 2. विदेशी निवेशकों का रुप्तान भी बढ़ा।
- 3. बाजार में तेजी से निवेशकों के बीच सकारात्मक माहोल बना।
- 4. महानगर दर नीचे आई, ऋण दरों में बढ़ाती रही।

अनुसार, निवेशकों की संख्या भी बढ़ी है। इस दौरान निवेशक आंतरिक और विदेशी कंपनियों के बीच वैश्विक संकेतकों, विशेष रूप से अमेरिकी बाजारों पर रहे हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व 31 जुलाई

आयकर रिफंड में फर्जी दावों से बचें

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर के विभाग ने रिटर्न दाखिल करने वालों से कहा है कि वे खर्चों के लिए फर्जी दावे न करें और अपनी कंपनी को कम कर नहीं दिखाएं। विभाग ने कहा कि वहाँ का बाद-चांदाकर और फर्जी दावे करना दंडनीय अपराध है और इससे रिफंड जारी करने में देरी होती है।

सभी करदाताओं के लिए आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतीम तारीख 31 जुलाई है। विभाग ने कहा कि समय पर रिफंड पाने के लिए अपने रिटर्न सही दाखिल करने के लिए वार्षिक रिफंड दर तय करें।

उनका करदाता जो कहना है कि इस साल तय करना चाहता है। आयकर अपरिवर्तन के अनुसार, अप्रैल विवरण के अनुसार अपने दावों को बदला देने के लिए वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफंड का लाभ नहीं होता।

विभाग ने कहा कि यह वार्षिक रिफ

भारत का पहला रिफर्बिश्ड बैटरी प्रोडक्शन सेंटर

₹ 1 लाख प्रति माह कमाने का मौका*
मासिक प्रोडक्शन की 100% बिक्री की गारंटी
निवेश करें मात्र ₹5.25 लाख



टेक्निशियन सैलरी सपोर्ट
कॉरपोरेट सेल्स सपोर्ट

डिजिटल मार्केटिंग सपोर्ट
100% बिक्री की गारंटी

फ्रैंचाइज़ी और मास्टर फ्रैंचाइज़ी के लिए कॉल करें ☎ 9706076076



Ministry of Environment, Forest and Climate Change
(Gazette Notification Number CG-DL-E-24082022-238351)

Government of India has approved battery refurbishment as
business activity under battery waste management rules 2022

Scan to check
Govt. notification



*नियम व शर्तें लागू